पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2021-23 प्रकाशित 01.02.2023 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

दानदाताओं से अपील

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों में सहयोग करने हेतु खाता संख्या 10205148690 स्टेट बैंक आफ इण्डिया, घन्टाघर, दिल्ली–110007, आई. एफ. एस.कोड - SBIN0001280 पर सीधे भेज कर हमें फोन न. 9868051444 पर एस.एम.एस कर दें या 9958889970 पर Paytm कर दें। – अनिल आर्य

वर्ष-39 अंक-17 माघ-2079 दयानन्दाब्द 200 01 फरवरी से 15 फरवरी 2023 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 01.02.2023, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् फरीदाबाद के तत्वावधान में नेताजी सुभाष जन्मोत्सव सम्पन्न

नेताजी सुभाष स्वतंत्रता आंदोलन के महानायक थे –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

फरीदाबाद, रविवार 22 जनवरी 2023, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद जिला फरीदाबाद के तत्वावधान में महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस का 126 वाँ जन्मोत्सव आर्य समाज सेक्टर 15 फरीदाबाद में सोल्लास मनाया गया। उल्लेखनीय है कि आपका जन्म 23 जनवरी 1897 को कटक उड़ीसा में हुआ था। मुख्य अतिथि अनिल आर्य (राष्ट्रीय अध्यक्ष,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद दिल्ली) ने कहा कि नेताजी सुभाष स्वतंत्रता संग्राम के महा नायक थे उनका बलिदान त्याग सदियों तक समाज का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। उन्होंने आजाद हिंद फौज की स्थापना करके अंग्रेजी सता को खुली चुनौती दी। वह जाति वाद मुक्त समता मूलक समाज की स्थापना करने के हिमायती थे। राष्ट्र की वर्तमान परिस्थितियों में पूरे हिन्दू समाज को संगठित होना आवश्यक है तभी हम राष्ट्र की रक्षा कर पायेगे देश में जहां जहां हिन्दू अल्पसंख्यक हुआ वहां अलगाववाद वा आंतकवाद पनपा है। वैदिक विद्वान आचार्य हरिओम शास्त्री ने महर्षि दयानन्द जी की 200 वी जयंती पर नयी योजनाए बनाने का आह्वान किया। आचार्य अजय आर्य के ओजस्वी भजन हुए। विदुषी श्रुति सेतिया ने महिला समाज को समाज जागृति करने का आह्वान किया। समाजसेवी डॉ. गजराज सिंह आर्य व आर पी हंस का अभिनंदन किया गया। मंच संचालन जिला महामंत्री अशोक शास्त्री ने किया व जिला अध्यक्ष विद्या भूषण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। प्रमुख रूप से एडवोकेट पी के मित्तल, विजय भूषण आर्य, जितेंद्र सिंह आर्य, वीरेंद्र योगाचार्य, नंद लाल कालरा, दास राम आर्य, मकेन्द्र कुमार, महेश आर्य, विमला ग्रोवर, मदन लाल तनेजा, डॉ विनोद सोनी (जयपुर), रंजीत कोर ,रघुवीर शास्त्री, सुधीर कपूर, सत्य प्रकाश भारद्वाज, विजेंद्र शास्त्री आदि उपस्थित थे।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न

200 वी महर्षि दयानन्द जयंती पर विश्व भर में कार्यक्रम होंगे –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य
नये युवाओ को जोड़ने का अभियान चलाया जाएगा –स्वामी आर्यवेश

रविवार 15 जनवरी 2023, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक सार्वदेशिक सभा मुख्यालय, महर्षि दयानन्द भवन आसिफ़ अली रोड नई दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य की अध्यक्षता में सोलास संपन्न हुई। बैठक में विभिन्न प्रांतों से प्रतिनिधि सम्मिलित हुए। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने आह्वान किया कि आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की 199 वी जयंती आगामी 15 फरवरी 2023 को आ रही है अतः 200 जयंती 15 फरवरी 2024 तक महर्षि दयानन्द के संदेश को जन जन तक पहुंचाने के लिए विश्व भर में अनेकों कार्यक्रम आयोजित किए जाये। पाखंड अंधविश्वास के विरुद्ध जागृति, युवा संस्कारों के लिए चरित्र निर्माण शिविर, नशे के विरुद्ध जागरूकता, रक्त दान शिविर, विश्व को महर्षि दयानन्द की देन

(शेष पृष्ठ 2 पर)

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद की बैठक सोत्साह सम्पन्न

रविवार 15 जनवरी 2023 को परिषद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक सार्वदेशिक सभा मुख्यालय नई दिल्ली में संपन्न हुई, चित्र मे जम्मू कश्मीर के प्रांतीय अध्यक्ष श्री सुभाष बब्बर का अभिनंदन करते राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य द्वितीय चित्र मे उपस्थित आर्य प्रतिनिधि।

रविवार 22 जनवरी 2023, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद जिला फरीदाबाद के कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य के साथ जितेंद्र सिंह आर्य, वीरेंद्र योगाचार्य, अशोक शास्त्री, विजेन्दर शास्त्री आदि द्वितीय चित्र मे आर्य समाज सेक्टर 15 फरीदाबाद का भव्य सभागार।

बधाईः डॉ. विनोद ने अनिल आर्य सम्पादक युवा उद्घोष के मार्ग दर्शन मे पीएचडी एमेटी विश्वविद्यालय जयपुर से की हार्दिक शुभकामनाएं।
द्वितीय चित्र– दिल्ली देहात के आर्य नेता मनोज मान के निवास ग्राम खेड़ा खुर्द दिल्ली में अभिनंदन करते अनिल आर्य।

(पृष्ठ 1 का शेष)

पर चर्चा, स्वतंत्रता संग्राम में आर्य समाज का योगदान पर विचार गोष्ठियो का आयोजन आदि अनेकों विषयों पर कार्य करने का निश्चय किया गया। उन्होंने कहा कि महर्षि दयानन्द नैष्ठिक ब्रह्मचारी थे पूरा जीवन वेद प्रचार के लिए लगाया। सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष स्वामी आर्य वेश ने कहा कि नयी युवा पीढ़ी को महर्षि दयानन्द जी की विचारधारा से जोड़ने के लिए अभियान चलाया जाएगा क्योंकि युवाओ के माध्यम से ही सन्देश आम व्यक्ति तक पहुंच सकता है स उन्होंने कहा कि महर्षि दयानन्द जी के अमर ग्रंथ "सत्यार्थ प्रकाश" को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। स्वामी जी ने कहा कि देश के स्वतंत्रता संग्राम में सर्वाधिक योगदान आर्य समाज का रहा लेकिन वह लोग श्रेय ले रहे हैं जो पैदा ही नहीं हुए थे ५ बैठक का संचालन राष्ट्रीय मंत्री देवेन्द्र भगत ने किया उन्होंने कहा कि खेल कूद,भाषण, निबंध, संगीत आदि प्रतियोगिता भी रखी जाएगी। प्रमुख रूप से सुभाष बब्बर (जम्मू), सुरेश आर्य,के. के. यादव(गाजियाबाद),संजीव ढाका (बागपत), यज्ञवीर चौहान इंदिरा पुरम, कमल आर्य नोएडा, यशोवीर आर्य,रामकुमार आर्य, स्वतन्त्र कुकरेजा(करनाल), योगेन्द्र शास्त्री (जींद),राम कृष्ण शास्त्री (बेहरोड), धर्मपाल आर्य,अशोक जांगिड़ (रोहतक),रामफल खरब,रवि राणा, अमरसिंह सहरावत, ऋषिपाल शास्त्री, गौरव झा आदि ने अपने विचार रखे और अभियान को सफल बनाने का आश्वासन दिया।

कृपया अपनी प्रिय पत्रिका "युवा उद्घोष" को नियमित बनाये रखने के लिये केवल 100/– रू का सहयोग "युवा उदघोष, A/N0. 20024363377, IFSCode. MAHB0000901, बैंक आफ महाराष्ट्र, डा. मुखर्जी नगर, दिल्ली–110009 पर आनलाईन भेजें।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा कोरोना काल में भी 496वां वेबिनार सम्पन्न

'महर्षि दयानन्द के स्वप्नों का आर्य समाज पर' गोष्ठी सम्पन्न

स्वदेश प्रेम सर्वोच्च होना चाहिए –आचार्य चन्द्रशेखर शर्मा

बुधवार 18 जनवरी 2023,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में "महर्षि दयानन्द के स्वप्नों का आर्य समाज" विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह करोना काल से 490 वहां राष्ट्रीय बेविनार था। मुख्य वक्ता वैदिक विद्वान् आचार्य चन्द्रशेखर शर्मा (ग्वालियर) ने कहा कि 'मूलशंकर का प्रथम संकल्प "' (1824 से 1846)स्वामी दयानन्द सरस्वती अपने जीवन की प्रथम अवस्था में तेजस्वी बालक के रूप में शिवरात्रि के पूजन महोत्सव में एक दिव्य चिंतन तथा जिज्ञासा के साथ शिव के सत्यस्वरूप को जानने की प्रबलतम भावना और भगिनी एवं चाचा की मृत्यु को देखकर मृत्यु की मीमांसा और मर्म को जानने के लिए 22 वर्ष की युवा अवस्था में धन–धान्य तथा वैभव परिपूर्ण परिवार को सदा के लिए छोड़कर जिज्ञासा की निवृत्ति हेतु वैराग्य–पथ के अनुगामी हो गये। शुद्धचैतन्य ब्रह्मचारी का द्वितीय सपना" (1846 से 1848) इस समय में योगी एवं वैरागी महात्माओं का दर्शन,सत्संग एवं शंका–समाधान करने का प्रबलतम सपना एवं संकल्प था। जिसको अपनी श्रद्धा और भक्तिभाव से समाहित तथा साकार किया।स्वामी दयानन्द सरस्वती का तृतीय सपना" (1848 से 1863) संन्यास की दीक्षा को धारण करने के बाद उनका संकल्प और सपना यह था कि सर्वप्रथम अपने जीवन को योग,ध्यान और ज्ञान से आलोकित करना। प्रारंभिक योग साधना स्वामी शिवानन्द गिरि,स्वामी ज्वालानन्द पुरी और भवानीदास गिरि से प्राप्त की।1855 में हरिद्वार कुंभ मेला में आगमन और हिन्दूधर्म के विभिन्न स्वरूपों का दर्शन एवं समीक्षण,1857 के स्वाधीनता संग्राम में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष योगदान,1857 से 1860 तक उत्तरभारतऔर अमरकंटक के सभी तीर्थों का प्राकृतिक बाहरी अटन,भ्रमण और आन्तरिक विबोधन तथा 1860 से1863 तक मथुरा में प्रज्ञाचक्षु स्वामी विरजानन्द दण्डी से संस्कृत व्याकरण और विद्याव्रती के महाव्रत श्रद्धा से पूर्ण करना। महर्षि दयानन्द का 20 वर्षीय व्यापक संकल्प एवं सपना" (1863 से 1883) आर्यावर्त,आर्य संस्कृति एवं आर्यनाम के गौरवगान का सपना भारत का प्राचीनतम नाम आर्यावर्त था। आर्य राजाओं का शासन आर्य संस्कृति एवं आर्य सभ्यता से शोभायमान था। आर्य नाम की महिमा एवं गरिमा का बोध ऋषिवर ने कराया। अर्य नाम ईश्वर का है। अर्य का पुत्र आर्य है।आर्य ईश्वर भक्त है, वेदपाठी है,याज्ञिक है,देशभक्त है, सदाचारी है,परोपकारी है,धार्मिक है,कर्तव्यशील है और सज्जन है। स्वदेश प्रेम एवं स्वभाषा के स्वाभिमान का सपना"ऋषिवर दयानन्द का स्वदेश प्रेम एवं स्वदेश गौरव का संमान सर्वोपरि था।आपकी मातृभाषा गुजराती, विद्याप्राप्ति भाषा संस्कृत तथा भाषण एवं लेखनभाषा हिंदीभाषा थी।भारत की स्वतंत्रता का सपना" भारत की स्वतंत्रता का सपना साकार करने हेतु जनमानस में स्वतंत्रता का महास्वर गुँजायमान किया। अनेक क्रांतिकारियों को देश को अंग्रेजों की गुलामी से मुक्त करने हेतु प्रेरित किया।श्याम जी कृष्ण वर्मा,भाई परमानन्द, स्वामी श्रद्धानन्द,रामप्रसाद विस्मिल, भगत आदि अनेक क्रांतिकारियों के जीवन में स्वामी दयानन्द की प्रेरणा पथ–प्रदर्शन कर रही थी। समाज सुधार एवं समाज निर्माण का सपना"समाज में व्याप्त कुरीतियों, कुरिवाजों,पाखण्ड, अंधविश्वास और अविद्या को दूर करने के लिए काम किया। समाज के नव निर्माण हेतु जनजागरण और समाज– समुत्थान के अनेक काम किये।नारी शिक्षा,नारी संमान एवं विधवा–विवाह तथा सती प्रथा के विरोध का सपना साकार" गोमाता के संरक्षण एवं संवर्धन का सपना"वेदबोध एवं वेदविज्ञान का सपना"पंचयज्ञ एवं योगमय जीवन का सपना' 'धर्म का स्वरूप एवं धार्मिक जीवन का सपना वैदिकशिक्षा एवं गुरुकुलप्रणाली का सपना" अध्यात्मविद्या एवं ब्रह्मनिष्ठा का सपना पूरा किया।मुख्य अतिथि शिक्षाविद अरुण आर्य व अध्यक्ष राजेश मेहंदीरत्ता ने भी अपने विचार रखे।राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने संचालन किया वा प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। गायिका कौशल्या अरोड़ा, ईश्वर देवी,रजनी गर्ग ,कुसुम भंडारी, कमलेश चांदना आदि के भजन हुए।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस के 126 वे जन्मोत्सव पर किया नमन

युवाओ के प्रेरणा स्रोत रहेगे नेताजी –आचार्य हरिओम शास्त्री

सोमवार 23 जनवरी 2023, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के 126 वे जन्मदिन पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह करोना काल से 493 वाँ वेबिनार था। वैदिक प्रवक्ता आचार्य हरिओम शास्त्री ने कहा कि नेताजी सुभाष चन्द्र बोस वास्तव में नेता जी सुभाष हमारे देश के अमूल्य रत्न हैं। आज उनकी तुर्बत पर नहीं एक भी दिया,जलाए थे जिन्होंने चिरागे वतन। पर आज महकते हैं मकबरे उनके, जिन्होंने बेचे थे शहीदों के कफन।। इसी तरह का दुर्भाग्य कुछ कुछ नेता जी सुभाष चन्द्र बोस के साथ भी हुआ। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद देश की गद्दियों पर आसीन तथाकथित सेक्युलर नेताओं की तथाकथित कारगुज़ारी ने उसी प्रकार नेताजी सुभाष चन्द्र सहित देश के अनाम अनगिनत अमर बलिदानियों के साथ भी वही किया। नेताजी सुभाषचन्द्र बोस का जन्म 23 जनवरी सन् 1897 ई. को कटक शहर में माता प्रभावती देवी और पिता जानकीनाथ बोस जी के घर हुआ था। यथा समय लंदन जाकर वहां पर अतीव प्रतिष्ठित आई. सी. एस. परीक्षा 4जी रैंक में पास करके भारत में आकर देश की स्वतंत्रता आन्दोलन में जुट गए। सन् 1930–31 में कलकत्ता के मेयर पद पर सुशोभित करने के बाद नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ने देश भक्ति की बेदी पर अपने आपको समर्पित कर दिया। उन्होंने दृढ़ विश्वास से यह संकल्प लिया था कि " खुदी को कर बुलंद इतना कि हर तक़दीर से पहले।खुदा बंदे से यह पूछे बता तेरी रज़ा क्या है?" देश की स्वतंत्रता के पश्चात् देश की अपनी साजिश भरी कार्य प्रणाली में स्वयं को अमर बलिदानी मानकर अनगिनत अमर बलिदानियों नेताजी सुभाष सहित को कमतर आंका और लिखते और लिखवाते रहे। आज ऐसे महान विभूति और अमूल्य रत्न को याद करने का समय आ गया है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि नेताजी क्रान्तिकारियों के महा नायक थे जिन्हें 11 बार कारावास की सजा सुनाई गई। उन्होंने आजाद हिंद फौज की स्थापना करके अंग्रेजी हुकूमत को युद्ध की खुली चुनौती दी। मुख्य अतिथि आर्य नेता आनंद सिंह आर्य (करनाल) व अध्यक्ष हरिचन्द स्नेही (सोनीपत) ने देश की रक्षा का आह्वान किया उन्होंने कहा कि युवाओं के प्रेरणा स्रोत रहेगे नेताजी। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। गायिका प्रवीना ठक्कर, रविन्द्र गुप्ता, कौशल्या अरोड़ा, कुसुम भंडारी, कृष्णा गांधी, प्रतिभा कटारिया, कमला हंस आदि के ओजस्वी गीत हुए।

जहां होता है भरपूर काम और प्रभु का गुणगान आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

'आर्य समाज और सनातन धर्म पर' गोष्ठी सम्पन्न

वेद ही धर्म का मूल आधार है –आर्य रविदेव गुप्ता

शुक्रवार 20 जनवरी 2023, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'आर्य समाज और सनातन धर्म' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। वैदिक विद्वान आर्य रवि देव गुप्ता ने कहा कि वेद ही धर्म का मूल आधार है और आर्य समाज द्वारा प्रतिपादित वेदोंकत धर्म ही सनातन धर्म है। वेद सृष्टि का आदि ज्ञान है जो जीवन जीने की कला सिखाता है। उन्होंने कहा कि वेदो द्वारा बताया धर्म तब भी सत्य था आज भी सत्य है और सदेव सत्य रहेगा। हमारा देश आर्यावर्त कहलाता था फिर भारत वर्ष और अब हिन्दुस्तान यह समय का परिवर्तन है। यहां रहने वाला हर व्यक्ति आर्य नाम से ही संबोधित किया जाता था। अतः वैदिक धर्म ही सत्य सनातन वैदिक धर्म है जिसका पुनरूत्थान महर्षि दयानन्द सरस्वती ने किया और उसी के अनुयायी आर्य समाज के रूप में संगठित हुए। पुराणों से प्रभावित धर्म व वैदिक धर्म में कई भिन्नताये है इसलिए अनेक मत हिन्दू धर्म में पनप गये।केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा है व्यक्ति विशेष द्वारा चलाया गया "मत या पंथ कहलाता है और वेद धर्म ईश्वरवरीय ज्ञान है। मुख्य अतिथि आर्य नेता अशोक आर्य (गुरूग्राम) व अध्यक्ष आनंद प्रकाश आर्य (हापुड़) ने भी सत्य धर्म की व्याख्या की। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। गायिका दीप्ति सपरा, रजनी चुग, रजनी गर्ग, ईश्वर देवी, कमला हंस, जनक अरोड़ा, कौशल्या अरोड़ा, रविन्द्र गुप्ता, प्रवीना ठक्कर, कमलेश चांदना ,कुसुम भंडारी आदि के भजन हुए।

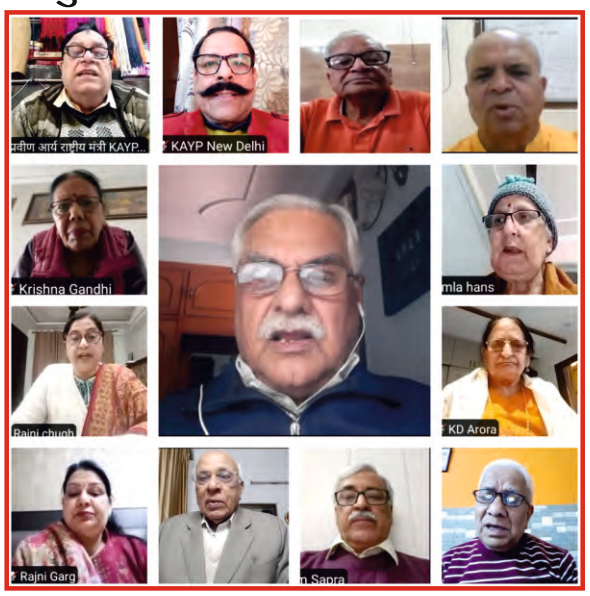

'महर्षि दयानन्द की दृष्टि में वैदिक सुराज्य' पर गोष्ठी सम्पन्न

भारतीय ज्ञान विज्ञान से युवाओं को जोड़ने की आवश्यकता –आचार्य अजय शास्त्री (छत्तीसगढ़)

बुधवार 25 जनवरी 2023, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'महर्षि दयानन्द की दृष्टि में वैदिक सुराज्य' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह करोना काल से 494 वाँ वेबिनार था। वैदिक प्रवक्ता आचार्य अजय आर्य ने कहा कि महर्षि दयानन्द स्वराज के प्रथम उद्घोषक थे उन्होंने कहा था कि कोई कितना ही करे पर स्वदेशी राज्य सर्वोत्तम है।ऋषि दयानंद सरस्वती ने जात पात ऊंच–नीच भेदभाव को सिरे से नकारा है।उन्होंने कहा कि व्यक्ति गुण कर्म स्वभाव से श्रेष्ठ होता है।अंधविश्वास और पाखंड रहित समाज के लिए उन्होंने हरिद्वार के कुंभ मेले में पाखंड खंडनी पताका लहराई थी। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम और योगीराज श्री कृष्ण को देश और समाज का आदर्श मानते थे उनका मानना था कि चरित्रवान युवा ही देश और समाज का निर्माण कर सकते हैं।राम,कृष्ण , शंकर,दयानंद जैसे महापुरुषों के चिंतन से युवाओं को जोड़ने की आवश्यकता है।समाज के तीन प्रमुख शत्रु है अज्ञान अन्याय और अभाव।ब्राह्मण वर्ग का दायित्व है कि वह अज्ञान से लड़ता रहे। अन्याय से लड़ने का दायित्व क्षत्रिय वर्ण का है।कोई भूखा न रहे रोटी कपड़ा और मकान जैसी आवश्यकता सभी की पूरी हो इस बात का दायित्व वैश्य वर्ग का है। वर्ण योग्यता अनुसार दायित्व के निर्वाह करने तथा सम्मान के योग्य बनने की अनुमति देता है। ऋषि दयानंद ने स्वदेशी राज्य को सर्वोपरि बताया था।ऋषि दयानंद वह व्यक्ति थे जो स्वदेश के व्यक्ति तो छोड़िए जूतों का भी अपमान सहन नहीं करते थे।सत्यार्थ प्रकाश में उन्होंने भारतीय जूतों के अंग्रेजी कार्यालयों में प्रवेश के विरोध में लिखा है।गणतंत्र का अर्थ है नियमों का सम्मान करना एक अरब 96 करोड वर्ष पूर्व सृष्टि के आदि में व्यक्त वैदिक ज्ञान विज्ञान को ईश्वर का संविधान माना जाता है।भारतीय ज्ञान विज्ञान से युवाओं को जोड़ने की आवश्यकता है। मुख्य अतिथि आचार्य भानुप्रताप वेदालंकार व अध्यक्ष स्वतंत्र कुकरेजा ने कहा कि ऋषि दयानंद सरस्वती ने वेदों की ओर लौटने का आह्वान किया था। राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने ऋषि दयानंद सरस्वती को हिंदी का प्रचारक तथा स्वतंत्रता के विचारों का मंत्र दाता बताया। केंद्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया और वीर हकीकत राय के बलिदान को स्मरण करते हुए कहा देश का इतिहास बलिदानी वीरों की अमर गाथा से भरा हुआ है। गायिका कमला हंस, प्रवीना ठक्कर कुसुम भंडारी, रविंद्र गुप्ता, कमलेश चांदना , सुनीता अरोड़ा आदि ने सुमधुर देशभक्ति के भजन प्रस्तुत किए।

आर्य नेता प्रवीण आर्य की सुपुत्री का विवाह सम्पन्न

21 जनवरी 2023 को केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य की सुपुत्री प्रियंका का विवाह पुलकित खुराना (सुपुत्र सोनिया व दिनेश खुराना) के साथ वेदांता फार्म हाउस गाजियाबाद में संपन्न हुआ।आचार्य डा भगवान देव शास्त्री ने विवाह संस्कार करवाया। इस अवसर पर प्रमुख रुप से राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य, सार्वदेशिक सभा के कोषाध्यक्ष माया प्रकाश त्यागी,श्रद्धानन्द शर्मा,सत्य वीर चौधरी,डा वीरेन्द्र नाथ सरदाना,सुभाष गर्ग,डॉ.आर के आर्य,प्रमोद चौधरी,के के यादव,वी के धामा,अखिल भारतीय ध्यान योग संस्थान से केके अरोड़ा,अशोक शास्त्री, दयानन्द शर्मा,मनमोहन वोहरा, वीना वोहरा,भाजपा नेता अशोक मोगा,सुभाष शर्मा,विपुल अग्रवाल, प्रवीन बत्रा,रमेश छाबड़ा,दिनेश छाबड़ा,नरेश बब्बर, मानव मल्होत्रा,कृष्ण पारुथी, राजा जी,आयुष गुगलानी,दुर्गेश बवेजा,राजेश बवेजा,सुनील अरोड़ा,गुलशन चावला,अशोक ढींगड़ा, संतोष चावला,अजय अरोड़ा,अशोक अरोड़ा आदि उपस्थित हुए वा नव दंपति को आशीर्वाद प्रदान किया।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिटर्स**, 2199/63,नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली–5 दूरभाष : 41548503 **मो.**: 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी–176–177, कबीर बस्ती, दिल्ली–7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970